www.CentumSure.com

SET – 3

Series : SSO/1

कोड नं.
Code No. 29/1/3

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **15**

महिलाओं की मर्यादा और उनसे दुर्व्यवहार के मामले भी अन्य मामलों की तरह न्यायालयों में ही जाते हैं किंतु पिछले कुछ दिनों से ऐसे आचरण के लिए स्वयं न्यायपालिका पर अँगुली उठाई जा रही है । काफी हद तक यह समस्या न्यायपालिका की नहीं, बल्कि हमारे पूरे समाज की कही जा सकती है । जज भी समाज के ही अंग हैं, इसलिए यह समस्या न्यायपालिका में भी दिखाई देती है । हमारे समाज में कानून के पालन को लेकर बहुत शिथिलता है और अकसर कानून का पालन न करने को सामाजिक हैसियत का मानक मान लिया जाता है । वी.आई.पी. संस्कृति का मूल सिद्धांत ही यह है कि जिसे सामान्य नियम-कानून नहीं पालन करने होते, वह महत्त्वपूर्ण व्यक्ति होता है । छोटे शहरों, कस्बों में सरकारी अफसरों की हैसियत बहुत बड़ी होती है और जज भी उन्हीं हैसियत वाले लोगों में शामिल होते हैं । ऐसे में, अगर कुछ जज यह मान लें कि वे तमाम सामाजिक

www.CentumSure.com

मर्यादाओं से भी ऊपर हैं, तो यह हो सकता है । माना यह जाना चाहिए कि जितने ज्यादा जिम्मेदार पद पर कोई व्यक्ति है, उस पर कानून के पालन की जिम्मेदारी भी उतनी ही ज्यादा है । खास तौर से जिन लोगों पर कानून की रक्षा करने और दूसरों से कानून का पालन करवाने की जिम्मेदारी है, उन्हें तो इस मामले में बहुत ज्यादा सतर्क होना चाहिए । लेकिन वास्तव में, इससे बिलकुल उलटा होता है । एक समस्या की ओर कई वरिष्ठ जज और न्यायविद ध्यान दिला चुके हैं कि न्यायपालिका में निचले स्तर पर अच्छे जज नहीं मिलते । इसकी एक बड़ी वजह यह है कि अच्छे न्यायिक शिक्षा संस्थानों से निकले अच्छे छात्र न्यायपालिका में नौकरी करना पसंद नहीं करते, क्योंकि उन्हें कामकाज की परिस्थितियाँ और आमदनी, दोनों ही आकर्षक नहीं लगतीं । नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट को तो बनाया ही इसलिए गया था कि अच्छे स्तर के जज और वकील वहाँ से निकल सकें, लेकिन देखा यह गया है कि वहाँ से निकले ज्यादातर छात्र कॉरपोरेट जगत में चले जाते हैं । अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्र भी बजाय जज बनने के प्रैक्टिस करना पसंद करते हैं । जजों की चुनाव प्रक्रिया में भी कई खामियाँ हैं, जिन्हें दूर किया जाना जरूरी है, ताकि हर स्तर पर बेहतर गुणवत्ता के जज मिल सकें ।

(क) प्रस्तुत गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

(ख) वी.आई.पी. संस्कृति का क्या तात्पर्य है और उसका सिद्धांत क्या बताया गया है ? 2

(ग) छोटे शहरों में जज अपने को सारी सामाजिक मर्यादाओं से ऊपर क्यों मान लेते हैं ? 1

(घ) कानून पालन के मामले में किन्हें अधिक सतर्क होना चाहिए और क्यों ? 2

(ङ) न्यायपालिका को निचले स्तरों के लिए अच्छे जज क्यों नहीं मिल पाते ? 2

(च) नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट का गठन क्यों किया गया था ? 1

(छ) कानून के छात्र जज बनने की अपेक्षा प्रैक्टिस करना क्यों पसंद करते हैं ? 1

(ज) बेहतर जज प्राप्त हों इसके लिए क्या-क्या करना आवश्यक है ? 2

(झ) महिलाओं के दुर्व्यवहार के मामले में न्यायपालिका पर अँगुली क्यों उठाई जा रही है ? 1

(ञ) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए : सतर्क, चुनाव 1

(ट) सरल वाक्य में बदलिए : जिसे सामान्य नियम-कानून नहीं पालन करने होते, वह महत्त्वपूर्ण व्यक्ति होता है । 1

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 5 = 5$

तरुणाई है नाम सिंधु की उठती लहरों के गर्जन का,
चट्टानों से टक्कर लेना लक्ष्य बने जिनके जीवन का ।
विफल प्रयासों से भी दूना वेग भुजाओं में भर जाता,
जोड़ा करता जिनकी गति से नव उत्साह निरंतर नाता ।
पर्वत के विशाल शिखरों-सा यौवन उसका ही है अक्षय,
जिसके चरणों पर सागर के होते अनगिन ज्वार सदा लय ।
अचल खड़े रहते जो ऊँचा, शीश उठाए तूफानों में,
सहनशीलता, दृढ़ता हँसती, जिनके यौवन के प्राणों में ।
वही पंथ-बाधा को तोड़े बहते हैं जैसे हों निर्झर,
प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर ।
आज देश की भावी आशा बनी तुम्हारी ही तरुणाई
नए जन्म की श्वास तुम्हारे अंदर जगकर है लहराई ।

(क) यौवन की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

(ख) काव्यांश के आधार पर युवकों की क्षमताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ग) यौवन की सार्थकता कब मानी गई है ?

(घ) पर्वतों और युवकों में साम्य दर्शाइए ।

(ङ) काव्यांश का केंद्रीय भाव लिखिए ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

खंड – 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : **10**

(क) लोकतंत्र और चुनाव

(ख) जनसंख्या वृद्धि की समस्या

(ग) विज्ञापनों की दुनिया

(घ) कन्याभ्रूण-हत्या : एक जघन्य अपराध

4. कल्पना कीजिए कि झेलम में जब बाढ़ आई थी तो आप श्रीनगर में थे । बाढ़ की विपदा का वर्णन करते हुए किसी समाचारपत्र के संपादक को पत्र लिखिए । **5**

अथवा

भारतीय रेलों में स्वच्छता और शिष्टता के अभाव पर रेलमंत्री, भारत सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए उन्हें एक पत्र लिखिए और समाधान का एक उपाय भी सुझाइए ।

5. संक्षेप में उत्तर दीजिए : **$1 \times 5 = 5$**

(क) जनसंचार के दो प्रमुख कार्यों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) इंटरनेट माध्यम के दो लाभ समझाइए ।

(ग) 'समाचार' को दो-तीन वाक्यों में परिभाषित कीजिए ।

(घ) 'ड्राइ ऐंकर' का तात्पर्य समझाइए ।

(ङ) उलटा पिरामिड शैली को यह नाम क्यों दिया जाता है ? स्पष्ट कीजिए ।

6. 'सूचना का अधिकार' कानून के लाभ, उसकी सीमाएँ तथा उसके दुरुपयोग पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । **5**

अथवा

आपने अपने सहपाठियों के साथ कुछ गाँवों की प्राथमिक पाठशालाओं को देखा । शिक्षा का अधिकार कानून के रहते हुए भी उन विद्यालयों में उनका अनुपालन कितना हो पा रहा है और उनकी सीमाएँ क्या हैं – इस विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

खंड – 'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **8**

तुमने कभी देखा है

खाली कटोरों में वसंत का उतरना !

यह शहर इसी तरह खुलता है

इसी तरह भरता

और खाली होता है यह शहर

इसी तरह रोज़-रोज़ एक अनंत शव

ले जाते हैं कंधे

अँधेरी गली से

चमकती हुई गंगा की तरफ़ ।

अथवा

जननी निरखति बान धनुहियाँ ।

बार-बार उर नैननि लावति प्रभुजू की ललित पनहियाँ ।।

कबहुँ प्रथम ज्यों जाइ जगावति कहि प्रिय बचन सवारे,

"उठहु तात ! बलि मातु बदन पर, अनुज सखा सब द्वारे ।।"

कबहुँ कहति यों, "बड़ी बार भइ जाहु भूप पहँ, भैया ।

बंधु बोलि जेंइय जो भावै गई निछावरि मैया ।।"

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) 'गीत गाने दो मुझे' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'देवसेना का गीत' के आधार पर उसकी हार और निराशा के कारणों को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) नागमती भँवरा और काग से अपने प्रिय के लिए क्या संदेश भेजती है और क्यों ?

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** काव्यांशों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) तेलनि तूलनि पूँछि जरी न जरी, जरी लंक जराय जरी ।

(ख) कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो –

खिली हुई हवा आई, फिरकी-सी आई, चली गई ।

(ग) हेम कुंभ ले उषा सवेरे – भरती ढुलकाती सुख मेरे ।

मदिर ऊँघते रहते जब – जगकर रजनी भर तारा ।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

भारत की सांस्कृतिक विरासत यूरोप की तरह म्यूजियम्स और संग्रहालयों में जमा नहीं थी – वह उन रिश्तों से जीवित थी जो आदमी को उसकी धरती, उसके जंगलों, नदियों – एक शब्द में कहें – उसके समूचे परिवेश से जोड़ते थे । अतीत का समूचा मिथक संसार पोथियों में नहीं, इन रिश्तों की अदृश्य लिपि में मौजूद रहता था । यूरोप में पर्यावरण का प्रश्न मनुष्य और भूगोल के बीच संतुलन बनाए रखने का है – भारत में यही प्रश्न मनुष्य और उसकी संस्कृति के बीच पारंपरिक संबंध बनाए रखने का हो जाता है ।

अथवा

न यहाँ जाति का महत्त्व था, न भाषा का, महत्त्व उद्देश्य का था और वह सबका समान था, जीवन के प्रति कल्याण की कामना । इस भीड़ में दौड़ नहीं थी, अतिक्रमण नहीं था और भी अनोखी बात यह थी कि कोई भी स्नानार्थी किसी सैलानी आनंद में डुबकी नहीं लगा रहा था । बल्कि स्नान से ज्यादा समय ध्यान ले रहा था ।

11. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4 + 4 = 8**

(क) 'कुटज क्या केवल जी रहा है' – यह प्रश्न उठाकर लेखक ने किन मानवीय दुर्बलताओं पर टिप्पणी की है ?

(ख) 'साहित्य थके हुए मनुष्य के लिए विश्रांति ही नहीं है, वह उसे आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित भी करता है ।' कैसे ? 'यथास्मै रोचते विश्वम्' के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ग) अराफ़ात के आतिथ्य से संबंधित किन्हीं दो घटनाओं पर प्रकाश डालिए ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com

12. हजारीप्रसाद द्विवेदी **अथवा** असगर वजाहत के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा शैली की दो प्रमुख विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **6**

अथवा

विष्णु खरे **अथवा** घनानंद के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी दो प्रमुख काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

13. "'सूरदास की झोपड़ी' उपन्यास अंश में ईर्ष्या, चोरी, ग्लानि, बदला जैसे नकारात्मक मानवीय पहलुओं पर अकेले सूरदास का व्यक्तित्व भारी पड़ता है ।" जीवन-मूल्यों की दृष्टि से इस कथन पर विचार कीजिए । **5**

अथवा

'पर्वतारोहण' कहानी के आधार पर उन जीवन-मूल्यों पर प्रकाश डालिए, जो हमें भूपसिंह के जीवन से प्राप्त होते हैं ।

14. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5 + 5 = 10**

(क) 'पग-पग पर नीर' वाला मालवा नीर विहीन कैसे हो गया ? पर्यावरण और मनुष्य के संबंधों पर प्रकाश डालिए ।

(ख) सूरदास के व्यक्तित्व की किन्हीं तीन विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

(ग) 'बिस्कोहर की माटी' के आधार पर सिद्ध कीजिए कि यह पाठ ग्रामीण जीवन के रूप-रस-गंध को उकेरने वाला मार्मिक लेख है ।

www.CentumSure.com

www.CentumSure.com